अधिन्यास (Assignment) 2017-18
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम.ए.)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषयः हिन्दी
Subject: Hindi
कोर्स शीर्षकः हिन्दी काव्य (आदिकाव्य, भक्तिकाव्य, रीतिकाव्य)
Course Title:

विषय कोडः **MAHI**
Subject Code: MAHI
कोर्स कोडः **MAHI-01(N)/07 (O)**
Course Code: MAHI-01 (N)/07 (O)

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

Section – A

खण्ड – अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 भाब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'पृथ्वीराज रासो' का काव्य रूप निर्धारित करते हुए इसमें निहित काव्यात्मक सौष्ठव का वर्णन कीजिए। 6

अथवा

'सूफीमत' से क्या तात्पर्य है? जायसी के 'पद्मावत' में इसकी कौन–सी विशेषताओं को अंगीकार किया गया है?

अथवा

विद्यापति को मैथिल कोकिल कहना कहाँ तक उचित है? सप्रमाण उत्तर दीजिए।

2. ''श्रृंगार का रस–राजत्व यदि हिन्दी में कहीं मिलता है, तो सूर में। '' कथन की तर्क सहित पुष्टि कीजिए। 6

अथवा

वात्सल्य और श्रृंगार के अनूठे कवि के रूप में सूरदास का मूल्यांकन कोजिये।

अथवा

''सेवक सेव्य भाव बिनु भवन तरिय उरगारी'' पंक्तियों में गोस्वामी तुलसीदास ने किस प्रकार की भक्ति का समर्थन किया है? समीक्षा कीजिए।

3. मीरा के काव्य में निहित प्रेम और भक्ति के स्वरूप का वैशिष्ट्य बताइए। 6

अथवा

मुक्तक काव्य परम्परा में कविवर बिहारी का स्थान निर्धारित कीजिये।

अथवा

रीतिमुक्त स्वच्छन्द प्रेमकाव्यधारा के कवि के रूप में घनानन्द का मूल्यांकन कीजिए।

Section – B

खण्ड–ब

अधिकतम अंक : 12
Maximum Marks: 12

नोटः लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 भाब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. प्रबन्ध काव्य के रूप में ' पद्मावत' के काव्य–सौन्दर्य का वर्णन कीजिए। 2

अथवा

'पृथ्वीराज रासो' के भाषा –सौष्ठव का वर्णन कीजिये।

अथवा

पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता पर प्रकाश डालिए।

5. मैथिल कोकिल विद्यापति के भाषिक योगदान की समीक्षा कीजिए। 2

अथवा

गीतिकाव्य के रूप में विद्यापति की पदावली की समीक्षा कीजिये।

अथवा

कबीर की कविताएं क्या आज के सन्दर्भ में प्रासंगिक है? प्रमाण सहित उत्तर दीजिए।

6. कबीर–काव्य में भक्ति और दा"र्ानिकता के सम्बन्ध में अपने विचार दीजिए। 2

अथवा

कबीर–काव्य पर सिद्ध और नाथ साहित्य के प्रभाव का वर्णन कीजिये।

अथवा

बिहारी ने 'गागर में सागर भरने' की उक्ति को चरितार्थ किया है। स्पष्ट कीजिए।

7. 'अष्टछाप' से आप क्या समझते हैं? 2

अथवा

मीरां के काव्य में सामन्ती सामाजिक रूढ़ियों के प्रति विद्रोह की अभिव्यक्ति किस रूप में हुई है?

अथवा

भक्तिकाल की सूफी शाखा की विशेषताएँ बताइए।

8. तुलसी–काव्य में मर्मस्प"र्ाी जीवन– प्रसंगों की अभिव्यक्ति का वै"िष्ट्य बताइए। 2

अथवा

. समन्यवयवादी सामाजिक–राजनीतिक चेतना की दृष्टि से तुलसी–काव्य की समीक्षा कीजिये।

अथवा

सूरदास की प्रेम भक्ति का निरूपण कीजिए।

9. पद्माकर के होली वर्णन की वि"ोषताएँ लिखिए। 2

अथवा

घनानन्द के प्रेम सम्बन्धी दृष्टिकोण पर पकाश डालिये।

अथवा

''पद्माकर के काव्य में लोकजीवन का स्पर्श है।'' इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं?

अधिन्यास (Assignment) 2017-18

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम.ए.)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषयः हिन्दी
Subject: Hindi

विषय कोडः **MAHI**
Subject Code: MAHI

कोर्स शीर्षकः हिन्दी भाषा एवं साहित्य का इतिहास **02(N)/04 (O)**
Course Title:

कोर्स कोडः **MAHI-02(N)/04 (O)**
Course Code: MAHI-02(N)/04 (O)

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

Section – A

खण्ड – अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 भाब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. आदिकालीन हिन्दी साहित्य का वर्गीकरण करते हुए इसकी वि"ोषताएँ बताइए। 6

अथवा

हिन्दी साहित्य के काल विभाजन और नामकरण के आधारों का वर्णन करते हुए निष्कर्ष स्वरूप अपना मत प्रस्तुत कीजिये।

अथवा

आदिकाल के नामकरण एवं काल विभाजन की समस्याओं पर विचार कोजिए।

2. भक्ति आन्दोलन की पृष्ठभूमि बताते हुए इसके अखिल भारतीय स्वरूप का वर्णन कीजिए। 6

अथवा

आधुनिक हिन्दी कविता के विभिन्न युगों का परिचय देते हुए उनकी विशेषताएँ बताइये।

अथवा

निर्गुण एवं सगुण काव्यधारा की वि"ोषताओं को स्पष्ट किजिए।

3. समकालीन हिन्दी गद्य के विकास का संक्षिप्त रेखांकन कीजिए। 6

अथवा

हिन्दी आलोचना के उद्भव और विकास का वर्णन कीजिये।

अथवा

रीतिमुक्त काव्य की वि"ोषताओं को स्पष्ट किजिए।

Section – B
खण्ड–ब

अधिकतम अंक : 12
Maximum Marks: 12

नोटः लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 भाब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. भारतीय आर्यभाषाओं के विकास का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। 2

अथवा

. सिद्ध, नाथ और जैन साहित्य का परवर्ती हिन्दी साहित्य के विकास में योगदान बताइए।

अथवा

हिन्दी गद्य के विकास में भारतेन्दु युग के योगदान की समीक्षा कोजिए।

5. भारत में बोले जाने वाले चार प्रमुख भाषा–परिवारों का वर्णन कीजिए। 2

अथवा

रीतिकाल की पृष्ठभूमि तथा मुख्य काव्यधाराओं का परिचय दीजिये।

अथवा

नयी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों पर विचार कोजिए।

6. रासो साहित्य में कथानक रूढ़ियों पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। 2

अथवा

भक्ति आन्दोलन के सामाजिक पक्ष पर प्रकाश डालिये।

अथवा

नयी कहानी के विकासक्रम को रेखांकित कोजिए।

7. रीतिकालीन हिन्दी कविता की विभिन्न धाराओं का परिचय दीजिए। 2

अथवा

हिन्दी खड़ी बोली गद्य के विकास की पृष्ठभूमि एवं प्रमुख संस्थाओं के योगदान का वर्णन कीजिये।

अथवा

नजीर अकबरबादी के काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का वर्णन कोजिए।

8. आधुनिक हिन्दी कविता के विभिन्न युगों का नामोल्लेख करते हुए उनका काल–क्रम बताइए। 2

अथवा

उर्दू भाषा और साहित्य के विकास पर संक्षेप में प्रकाश डालिये।

अथवा

पालि भाषा की व्याकरणिक एव ध्वनिगत वि"ाषताओं को स्पष्ट कोजिए।

9. हिन्दी खड़ी बोली गद्य के विकास क्रम का ऐतिहासिक वर्णन कीजिए। 2

अथवा

भारतीय आर्यभाषाओं के विकास का संक्षिप्त वर्णन कीजिये।

अथवा

देवनागरी लिपि की प्रमुख वि"ोषताओं का वर्णन कोजिए।

अधिन्यास (Assignment)
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम.ए.)
Master of Arts Programme (M.A.)

2017-18

विषयः हिन्दी **विषय कोडः MAHI**
Subject: Hindi **Subject Code: MAHI**
कोर्स शीर्षकः भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा एवं लिपि **कोर्स कोडः MAHI-03(N)/09 (O)**
Course Title: **Course Code: MAHI-03(N)/09 (O)**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

Section – A

खण्ड – अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 भाब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. भाषाओं के आकृतिमूलक तथा पारिवारिक वर्गीकरणों का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। 6

अथवा

भारोपीय भाषा परिवार को किन दो वर्णों में बाँटा गया है? विस्तार से वर्णन कीजिये।

अथवा

भाषा किसे कहते हैं? भाषा और बोली में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

2. ध्वनि परिवर्तन के कारणों और दि"ाओं पर सोदाहरण प्रका"ा डालिए। 6

अथवा

हिन्दी की प्रमुख उपभाषाओं और बोलियों के भौगोलिक क्षेत्र तथा विशेषताओं का परिचय दीजिये।

अथवा

अर्थ परिवर्तन के कारणों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

3. हिन्दी की स्वर तथा व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण करते हुए उनकी वि"ोषताएँ बताइए। 6

अथवा

राजभाषा हिन्दी के विकासात्मक परिपक्ष्य का वर्णन करते हुए इसकी वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डालिये।

अथवा

आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए पूर्वी हिन्दी की भाषिक विशषताएँ लिखिए।

Section – B
खण्ड–ब

अधिकतम अंक : 12
Maximum Marks: 12

नोटः लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 भाब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. शतम् और केन्टुम से क्या अभिप्राय है? 2

अथवा

भाषाओं के आकृतिमूलक और पारिवारिक वर्गीकरण में क्या अन्तर है?

अथवा

भाषा की प्रकृति समझाइए।

5. पूर्वी हिन्दी के अन्तर्गत आने वाली बोलियों का परिचय दीजिए। 2

अथवा

हिन्दी की स्वर तथा व्यंजन ध्वनियों का परिचय दीजिये।

अथवा

संरचनात्मक भाषा विज्ञान को परिभाषित कीजिए।

6. पा"चात्य भाषा– चिन्तन में सस्यूर का योगदान बताइए। 2

अथवा

हिन्दी की आगत ध्वनियाँ कौन सी हैं?

अथवा

सामान्य भाषा एवं काव्य भाषा के अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

7. हिन्दी की स्वनिमिक समस्याओं का रेखांकित कीजिए। 2

अथवा

शली विज्ञान की परिभाषा देते हुए इसका स्वरूप स्पष्ट कीजिये।

अथवा

ध्वनि विज्ञान किसे कहते हैं, स्पष्ट करें।

8. राजभाषा हिन्दी के विकासात्मक परिप्रेक्ष्य का वर्णन कीजिए। 2

अथवा

दवनागरी लिपि के नामकरण और विशेषताओं का वर्णन कीजिये।

अथवा

संप्रेषण के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

9. शैली विज्ञान से आप क्या समझते हैं? 2

अथवा

अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ बताइये।

अथवा

शैली विज्ञान क्या है? स्पष्ट कीजिए।

2017-18

अधिन्यास (Assignment)
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम.ए.)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषयः हिन्दी
Subject: Hindi

विषय कोडः **MAHI**
Subject Code: MAHI

कोर्स शीर्षकः नाटक और अन्य गद्य विधाएँ
Course Title:

कोर्स कोडः **MAHI-04(N)/03(O)**
Course Code: MAHI-04/03(O)

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

Section – A

खण्ड – अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 भाब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. रूप विधान तथा भाषिक प्रयोगों के परिप्रेक्ष्य में ' अंधेर नगरी' की समीक्षा कीजिए। 6

अथवा

भारतेन्दु को नाट्य–दृष्टि का परिचय देते हुए सामाजिक यथार्थ के परिपेक्ष्य में 'अंधेर नगरी' की समीक्षा कीजिये।

अथवा

नाट्य शिल्प की दृष्टि से 'अंधेर नगरी' की समीक्षा कीजिए।

2. अभिनेयता अथवा रंगमंचीयता की दृष्टि से 'स्कन्दगुप्त' नाटक की समीक्षा कोजिये। 6

अथवा

पात्र–योजना और चरित्र–चित्रण की दृष्टि से 'स्कन्दगुप्त' नाटक की समीक्षा कोजिये।

अथवा

राष्ट्रीय चेतना की दृष्टि से 'स्कन्दगुप्त' का मूल्यांकन कीजिए।

3. 'अंधा युग' के चरित्रों की प्रतीकात्मकता और मूल्यगत संघर्ष को स्पष्ट कीजिए। 6

अथवा

'लोभ और प्रीति' के आधार पर आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की निबन्ध शैली की विशेषताओं का वर्णन कीजिये।

अथवा

अंधायुग की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

Section – B
खण्ड–ब

अधिकतम अंक : 12 Maximum Marks: 12

नोटः लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 भाब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. आधे अधूरे' नाटक का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए। 2

अथवा

आधे अधूरे' नाटक में मानवीय संतोष के अधूरेपन का रेखांकन किस प्रकार किया गया है?

अथवा

आधे–अधूरे की कथ्यगत वि"ोषताओं का वर्णन कीजिए।

5. 'स्कन्दगुप्त' नाटक के नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए। 2

अथवा

अंधा युग' में पौराणिक आख्यान के आधुनिक सन्दर्भ का वर्णन कीजिये।

अथवा

'अंधायुग' का अभिप्राय बताते हुए काव्य–नाटक के रूप में इसका मूल्यांकन कीजिए।

6. नुक्कड़ नाटकों की अवधारणा स्पष्ट करते हुए 'औरत' का प्रतिपाद्य बताइये। 2

अथवा

असंगत नाटक की अवधारणा स्पष्ट करते हुए 'ताँबे के कीड़े' का पतिपाद्य बताइये।

अथवा

स्कन्दगुप्त नाटक के पात्र मातृगुप्त की दो विशेषताएँ लिखिए।

7. 'लोभ और प्रीति' निबन्ध का वै"ाष्ट्य बताइये। 2

अथवा

ललित निबन्ध के रूप में कुटज का वैशिष्ट्य बताइये।

अथवा

'क्या भूलूँ याद करूँ' की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए।

8. साक्षात्कार विधा का स्वरूप स्पष्ट करते हुए इसकी वि"ोषताओं का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए। 2

अथवा

संस्मरण, आत्मकथा और यात्रावृत्त विधाओं में निहित समान तत्वों को रेखांकित कीजिये।

अथवा

तांबे के कीड' एकाकी खुले रंगमंच के लिए है या ड्राइंग रूम के लिए?

9. रेखाचित्र विधा का परिचय देते हुए ' ठाकुरी बाबा' का वै"ाष्ट्य बताइए। 2

अथवा

जीवनो विधा का स्वरूप परिचय देते हुए 'कलम का सिपाही' का वैशिष्ट्य बताइये।

अथवा

कुटज निबंध की भाषा शैली की वि"ोषताएँ लिखिए।

2017-18

अधिन्यास (Assignment)

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम.ए.)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषयः हिन्दी
Subject: Hindi

विषय कोडः **MAHI**
Subject Code: MAHI

कोर्स शीर्षकः शोध का स्वरूप एवं प्रविधि
Course Title:

कोर्स कोडः **MAHI-05(N)**
Course Code: MAHI-05(N)

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

Section – A

खण्ड – अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 भाब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. शोध का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसकी परम्परा पर प्रका"ा डालिए। 6

अथवा

शोध का अर्थ स्पष्ट करते हुए हिन्दी में शोध के विभिन्न संभावित विषयों पर प्रकाश डालिये।

अथवा

शोध की परिभाषा तथा स्वरूप का वर्णन कीजिए।

2. शोध के प्रकारों का परिचय देते हुए शोध की वैज्ञानिक प्रणाली तथा उसके अन्तर्गत आने वाले सोपानों का वर्णन कीजिए। 6

अथवा

हिन्दी विषय में शोध अध्ययन की रूपरेखा निर्माण की विधि का उदाहरण सहित वर्णन कोजिये।

अथवा

हिन्दी विषय के अन्तर्गत कौन–कौन से आयामों पर शोध कार्य किया जा सकता है, विस्तारपूर्वक समझाइए।

3. शोध अध्ययन के विभिन्न प्रक्रियागत आयामों का विस्तार से वर्णन कीजिए। 6

अथवा

शोध–प्रबन्ध लेखन के विविध आयामों का सोदाहरण वर्णन कीजिये।

अथवा

वैज्ञानिक शोध प्रक्रिया के विभिन्न सोपानों का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

Section – B
खण्ड–ब

अधिकतम अंक : 12
Maximum Marks: 12

नोटः लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 भाब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. शोध का अधिकारी कौन है? 2

अथवा

शोध और समीक्षा में क्या अन्तर है? शोध के प्रकारों का परिचय दीजिये।

अथवा

शोध का अधिकारी किसे मानना चाहिए?

5. शोध परिकल्पना के प्रमुख स्रोतों का वर्णन कीजिए। 2

अथवा

शोध की वैज्ञानिक प्रणाली तथा उसके सोपानों का वर्णन कीजिये।

अथवा

शोध–कार्य के अन्तर्गत विषय–चयन कैस किया जाता है?

6. तथ्य– संचयन के साधन के रूप में साक्षात्कार का महत्व बताइए। 2

अथवा

हिन्दी विषय में शेाध हेतु सामग्री–संकलन की पद्धति पर प्रकाश डालिये।

अथवा

शोध–विषय की रूपरेखा बनाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

7. हिन्दी विषय के अन्तर्गत शोध कार्य करने के लिए शोध विषय के चयन संबंधी आधार बताइए। 2

अथवा

शोध कार्य में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों तथा उनके समाधान पर विचार कीजिये।

अथवा

अपनो रुचि के किसी शोध–विषय की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए।

8. हिन्दी विषय के किसी एक शोध शीर्षक पर शोध रूपरेखा का निर्माण कीजिए। 2

अथवा

पाठालोचन एवं पाठानुसंधान से क्या तात्पर्य है?

अथवा

सामग्री–संकलन के विभिन्न स्रोतों का उल्लेख कीजिए।

9. शोध की भाषा सर्वेक्षण प्रणाली से आप क्या समझते हैं? 2

अथवा

साहित्य के इतिहास लेखन की शोध प्रविधि का वैशिष्ट्य बताइये।

अथवा

फुटनोट लिखने की प्रविधि पर चर्चा कीजिए।

अधिन्यास (Assignment)

2017-18

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम.ए

Master of Arts Programme (M.A.)

विषयः हिन्दी
Subject: Hindi

विषय कोडः **MAHI**
Subject Code: MAHI

कोर्स शीर्षकः आधुनिक हिन्दी काव्य
06(N)/01(O)
Course Title:

कोर्स कोडः **MAHI-**
Course Code: MAHI-06(N)/01 (O)

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

Section – A

खण्ड – अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 भाब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'कामायनी' के आधार पर प्रसाद के आधुनिक बोध और सौन्दर्य चेतना की समीक्षा कीजिए। 6

अथवा

सिद्ध कीजिये कि "महादेवी वर्मा के काव्य में वेदना, रहस्य भावना तथा प्रणयानुभूति का सुन्दर समन्वय हुआ है।"

अथवा

भारतेन्दु के श्रृंगारपरक काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2. 'राम की शक्तिपूजा' के काव्य– रूप और काव्यगत वि"ोषताओं का वर्णन कीजिए। 6

अथवा

नयी कविता की शिल्पगत उपलब्धियों की दृष्टि से मुक्तिबोध के काव्य की समीक्षा कोजिये।

अथवा

हिन्दी काव्य जगत में मैथिलीशरण गुप्त के योगदान पर एक सारगर्भित लेख लिखिए।

3. प्रयोगवाद काव्यान्दोलन के पुरस्कर्ता के रूप में अज्ञेय का मूल्यांकन कीजिए। 6

अथवा

"धूमिल की कविता जनता और जनतन्त्र की कविता है।" इस कथन के सम्बन्ध में अपने समीक्षात्मक विचार दीजिये।

अथवा

छायावादी कवियों में पन्त को प्रकृति का कवि कहा जाता है। इस मान्यता पर विचार कीजिये।

Section – B

खण्ड–ब

अधिकतम अंक : 12
Maximum Marks: 12

नोटः लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 भाब्दां में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. एक युग प्रवर्तक कवि के रूप में भारतेन्दु हरि"चन्द्र के योगदान का मूल्यांकन कीजिए। 2

अथवा

'साकेत' में उर्मिला के चरित्र की विशेषताओं का वर्णन कीजिये।

अथवा

मक्तिबोध की काव्यभाषा की समीक्षा कोजिए।

5. महादेवी वर्मा को 'आधुनिक मीरा' क्यों कहा जाता है? 2

अथवा

'आँसू' काव्य में अभिव्यक्ति विरह–वेदना का वैशिष्ट्य बताइये।

अथवा

अज्ञेय के काव्य में निहित प्रमुख तत्वों की संक्षिप्त विवेचना कीजिए।

6. पंत की 'परिवर्तन' कविता का सारां"ा लिखते हुए उसका प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। 2

अथवा

निराला के काव्य का वैचारिक आधार स्पष्ट कीजिये।

अथवा

कवि नागार्जुन का सामान्य परिचय दीजिए।

7 नागार्जुन की काव्य संवेदना के विविध आयामों का वर्णन कीजिए। 2

अथवा

पंत की काव्य–यात्रा के विभिन्न सोपानों का वर्णन कीजिये।

अथवा

पंत के काव्य में प्रगतिवादी तत्वों का निरूपण कीजिए।

8. 'अँधेरे में' कविता का वै"िाष्ट्य बताइए। 2

अथवा

'उर्वशी' के प्रतिपाद्य तथा काव्य–सौन्दर्य का वर्णन कीजिये।

अथवा

निराला की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

9. शम"ोर बहादुर सिंह की काव्य–चेतना का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। 2

अथवा

रघुवीर सहाय की काव्य–संवेदना का वैशिष्ट्य बतलाइये।

अथवा

प्रसाद कृत 'आँसू के केन्द्रीय तत्व पर प्रकाश डालिए।

2017-18

अधिन्यास (Assignment)
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम.ए.)
Master of Arts Programme (M.A.)

विषयः हिन्दी — **विषय कोडः MAHI**
Subject: Hindi — **Subject Code: MAHI**
कोर्स शीर्षकः उपन्यास एवं कहानी — **कोर्स कोडः MAHI-07(N)/02 (O)**
Course Title: — **Course Code: MAHI-07(N)/02 (O)**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

Section – A

खण्ड – अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 भाब्दों में लिखें। सभी पश्न अनिवार्य हैं।

1. 'गोदान' में भारतीय किसानों की वेदना की अभिव्यक्ति किन रूपों में हुई है? विस्तार सहित वर्णन कीजिए। 6

अथवा

नारी जीवन के सम्बन्ध में प्रेमचन्द के दृष्टिकोण का परिचय देते हुए 'गोदान' के नारी पात्रों का वैशिष्ट्य बताइये।

अथवा

'गोदान' के आधार पर नारी जीवन के प्रति प्रेमचन्द के विचारों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

2. 'धरती धन न अपना' के प्रमुख पात्रों का चारित्रिक वैशिष्ट्य निरूपित कीजिए। 6

अथवा

दलित जीवन की त्रासदी के सन्दर्भ में 'धरती धन न अपना' का मूल्यांकन कोजिये।

अथवा

आंचलिक उपन्यास की अवधारणा स्पष्ट करते हुए, 'मैला आँचल' में आंचलिकता के विविध पहलुओं का उल्लेख कीजिए।

3. औपन्यासिक शिल्प के तत्त्वों की दृष्टि से 'मैला आँचल' की समीक्षा कीजिए। 6

अथवा

सर्जनात्मकता और युगबोध की दृष्टि से 'बाणभट्ट की आत्मकथा' का वैशिष्ट्य निरूपित कीजिये।

अथवा

'बाणभट्ट की आत्मकथा' – इतिहास और कल्पना का सजनात्मक मिश्रण है। उपयुक्त उदाहरणों सहित इस कथन की व्याख्या कीजिए।

Section – B

खण्ड–ब

अधिकतम अंक : 12
Maximum Marks: 12

नोटः लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 भाब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. 'गोदान' उपन्यास के कथा–संगठन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। 2

अथवा

'गोदान' में प्रेमचन्द की जनतान्त्रिक दृष्टि का वैशिष्ट्य बतलाइये।

अथवा

'पुरस्कार' कहानी के आधार पर मधूलिका का चरित्रांकन कीजिए।

5. 'सूखा बरगद' उपन्यास का प्रतिपाद्य बताइए। 2

अथवा

'सूखा बरगद' में रूढ़ियों और नये मूल्यों का द्वन्द्व स्पष्ट कीजिये।

अथवा

समकालीन कहानी की विशेषताओं के संदर्भ में 'पिता' कहानी का मूल्यांकन कीजिए।

5. कहानी–कला के आधार पर 'चीफ की दावत' कहानी की समीक्षा कीजिये। 2

अथवा

कहानी–कला के आधार पर 'पुरस्कार' कहानी की समीक्षा कीजिये।

अथवा

मन्नू भंडारी की कहानी 'त्रिशंकु' में परम्परागत मूल्यों से मुक्ति की छटपटाहट है – स्पष्ट कीजिए।

7. 'बाणभट्ट की आत्मकथा' की औपन्यासिक संकल्पना पर प्रका"ा डालिए। 2

अथवा

'मैला–आँचल' उपन्यास का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

मानवीय मूल्यों के विघटन और मध्यवर्गीय अवसरवादिता के सदर्भ में 'चीफ की दावत' कहानी की समीक्षा कीजिए।

8. 'रोज' कहानी के प्रतिपाद्य का वर्णन कीजिये। 2

अथवा

'तिरिछ' कहानी के प्रतिपाद्य का वर्णन कीजिये।

अथवा

'कर्मनाशा की हार' कहानी का सारां"ा लिखिए।

9. 'पुरस्कार' कहानी का सारां"ा लिखिए। 2

अथवा

'चीफ की दावत' कहानी की मूल–संवेदना स्पष्ट कीजिये।

अथवा

दलित कहानी के विकास में ओम प्रकाश वाल्मीकि का अवदान मूल्यांकित कीजिए।

अधिन्यास (Assignment)

2017-18

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम.ए.)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषयः हिन्दी **विषय कोडः MAHI**
Subject: Hindi **Subject Code: MAHI**
कोर्स शीर्षकः साहित्य सिद्धान्त और समालोचना **कोर्स कोडः MAHI-08(N)/10(O)**
Course Title: **Course Code: MAHI-08(N)/10 (O)**

अधिकतम अक : 30
Maximum Marks: 30

Section – A

खण्ड – अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 भाब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. भारतीय एवं पाश्चात्य विद्वानों द्वारा प्रदत्त काव्य प्रयोजनों की समीक्षा करते हुए निष्कर्ष रूप में अपना मत प्रस्तुत कीजिये। 6

अथवा

भारतीय एवं पाश्चात्य विद्वानों द्वारा प्रदत्त काव्य लक्षणों की समीक्षा करते हुए निष्कर्ष रूप में अपना मत प्रस्तुत कीजिये।

अथवा

संस्कृत आचार्यों द्वारा निरूपित काव्य–प्रयोजनों का विवेचन कीजिए।

2. अरस्तू के विरेचन सिद्धान्त का वर्णन करते हुए स्पष्ट कीजिए कि त्रासदी द्वारा आनन्दानुभूति कैसे होती है? 6

अथवा

रस की परिभाषा और स्वरूप बताते हुए रस निष्पत्ति और साधारणीकरण की प्रक्रिया का सविस्तार वर्णन कोजिये।

अथवा

अलंकार सम्प्रदाय पर प्रकाश डालिए।

3. पा"चात्य काव्यशास्त्र में लोंजाइनस के योगदान का वर्णन कीजिए। 6

अथवा

प्लेटो द्वारा काव्य पर लगाये गये आक्षेपों का निराकरण अरस्तू ने किस प्रकार किया?

अथवा

साधारणीकरण के संबध में भारतीय आचार्यों के विचार स्पष्ट कीजिए।

Section – B

खण्ड–ब

अधिकतम अंक : 12
Maximum Marks: 12

नोटः लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 भाब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. काव्य की आत्मा के संबंध में किए गए भारतीय चिन्तन का सारां"ा लिखिए। 2

अथवा

भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख संप्रदायों का संक्षिप्त परिचय दीजिये।

अथवा

'कलाकला के लिए' सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।

5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र में टी.एस. इलियट का योगदान बताइये। 2

अथवा

पाश्चात्य काव्यशास्त्र में आई0 ए0 रिचर्ड्स का योगदान बताइये।

अथवा

लक्षणा शब्द–शक्ति क्या है? सोदाहरण समझाइए।

6. हिन्दी आलोचना में डॉ. रामविलास शर्मा का अवदान स्पष्ट कीजिए। 2

अथवा

हिन्दी आलोचना में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का अवदान स्पष्ट कीजिये।

अथवा

रस–निष्पत्ति को स्पष्ट कीजिए।

7. क्रोचे के अभिव्यंजनावाद पर प्रका"ा डालिए। 2

अथवा

लोंजाइनस की उदात्त संबंधी अवधारणा पर प्रकाश डालिये।

अथवा

अरस्तू के अनुकरण सिद्धांत का विवेचन कीजिए।

8. विभिन्न शब्द शक्तिया का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए। 2

अथवा

काव्य हेतु से क्या तात्पर्य है?

अथवा

काव्य के संबंध में मैथ्यू आर्नल्ड के विचार बताइए।

9. साहित्य चिन्तन के विभिन्न वादों का परिचय दीजिए। 2

अथवा

साहित्य की संरचनावादी मूल्यांकन पद्धति का वैशिष्ट्य बताइये।

अथवा

आदर्शवाद और यथार्थवाद का अन्तर बताइए।

अधिन्यास (Assignment) | 2017-18

परास्नातक कला कार्यक्रम (एम.ए.)

Master of Arts Programme (M.A.)

विषयः हिन्दी | **विषय कोडः MAHI**

Subject: Hindi | **Subject Code: MAHI**

कोर्स शीर्षकः आधुनिक गद्य उपन्यासः स्वरूप और विकास | **कोर्स कोडः MAHI-09(N)/06 (O)**

भारतीय उपन्यास

Course Title: | Course Code: MAHI-09(N)/06 (O)

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

Section – A

खण्ड – अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 भाब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. उपन्यास विधा के उदय की वैि"वक पृष्ठभूमि बताते हुए इसमें नायकत्व की संकल्पना पर प्रका"ा डालिए। 6

अथवा

उपन्यास का अर्थ और स्वरूप स्पष्ट करते हुए इस विधा के उदय सम्बन्धी कारणों का वर्णन कीजिये।

अथवा

उपन्यास के उद्‌भव की भारतीय एवं पाश्चात्य अवधारणा को स्पष्ट करते हुए भारतीय उपन्यास की भारतीयता पर प्रकाश डालिए।

2. उन्नीसवीं सदी क रूसी उपन्यास साहित्य का परिचय देते हुए उसकी विशेषताएँ बताइये। 6

अथवा

उन्नीसवीं सदी के यूरोपीय उपन्यास साहित्य का परिचय देते हुए उसकी विशेषताएँ बताइये।

अथवा

'उपन्यास आधुनिक यथार्थ की उपज है।' इस कथन के आधार पर उपन्यास और यथार्थवाद के अंतसम्बन्ध का विश्लेषण कीजिए।

3. स्वातन्त्र्योत्तर भारतीय उपन्यासों में युगीन यथार्थ की बहुमुखी अभिव्यक्ति का समीक्षात्मक वर्णन कीजिए। 6

अथवा

भारतीय उपन्यासों में नवजागरण और राष्ट्रीय आन्दोलन की बहुमुखी अभिव्यक्ति पर विस्तार से प्रकाश डालिये।

अथवा

हिन्दी उपन्यास की संरचना एवं शिल्पगत विकास को रेखांकित कीजिए।

Section – B
खण्ड–ब

अधिकतम अंक : 12
Maximum Marks: 12

नोटः लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 भाब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. उपन्यास का अर्थ और स्वरूप स्पष्ट कीजिए। 2

अथवा

उपन्यास में नायकत्व की संकल्पना पर प्रकाश डालिये।

अथवा

उपन्यास की भाषिक संरचना की संक्षेप में विवेचना कीजिए।

5. औपन्यासिक चरित्रों की विविधरूपता का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 2

अथवा

औपन्यासिक आलोचना के प्रमुख आयाम कौन–कौन से हैं या होने चाहिये?

अथवा

उपन्यास कितने प्रकार के होते हैं और उनके वर्गीकरण का आधार क्या है?

6 दे"ा विभाजन की त्रासदी पर लिखे गए प्रमुख हिन्दी उपन्यासों का उल्लेख कोजिए। 2

अथवा

उपन्यास में यथार्थ की अभिव्यक्ति के विभिन्न रूपों का वर्णन कीजिये।

अथवा

भारतीय उपन्यास के राजनैतिक संदर्भ को स्पष्ट कीजिए।

7. समकालीन सामाजिक विम"ार्ो की अभिव्यक्ति की दृष्टि से स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी उपन्यासों का योगदान बताइए। 2

अथवा

स्वातन्त्र्योत्तर भारतीय उपन्यासों में युगोन यथार्थ की अभिव्यक्ति का समीक्षात्मक वर्णन कीजिये।

अथवा

उपन्यास के समाजशास्त्रीय अध्ययन की प्रक्रिया का विवेचना कीजिए।

8. हिन्दी उपन्यासों में नवजागरण और राष्ट्रीय चेतना की अभिव्यक्ति पर प्रका"ा डालिए। 2

अथवा

चेम्मीन अथवा मानवीनी भवाई उपन्यास का प्रतिपाद्य बताइए।

अथवा

19वीं सदी के यूरोपीय उपन्यास की प्रमुख विशेषताओं पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

9. उपन्यास की प्रमुख आलोचना–दृष्टियों का वर्णन कीजिए। 2

अथवा

'जंगल के दावेदार' उपन्यास में अभिव्यक्त सामाजिक चेतना की समीक्षा कीजिये।

अथवा

उपन्यास के अन्य विधाओं से अंतर्सम्बन्ध की विवेचना कीजिए।

अधिन्यास (Assignment)
परास्नातक कला कार्यक्रम (एम.ए.)
Master of Arts Programme (M.A.)

2017-18

विषयः हिन्दी **विषय कोडः MAHI**
Subject: Hindi **Subject Code: MAHI**
कोर्स शीर्षकः हिन्दी उपन्यास **कोर्स कोडः MAHI-10(N)/08(O)**
प्रेमचन्द का विशेष अध्ययन Course Code: MAHI-10(N)/08 (O)

प्रेमचन्दोत्तर हिन्दी उपन्यास

Course Title:

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

Section – A

खण्ड – अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न । प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 भाब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1 'सेवासदन' उपन्यास की नायिका का चरित्र–चित्रण करते हुए उपन्यास के प्रतिपाद्य अथवा संदे"ा पर प्रका"ा डालिए। 6

अथवा

स्वाधीनता आन्दोलन और गांधी चेतना की अभिव्यक्ति की दृष्टि से 'रंगभूमि' उपन्यास की समीक्षा कीजिये।

अथवा

प्रेमचन्द के अनुसार 'साहित्य जीवन की आलोचना ह।' इस कसौटी पर उनके कथा–साहित्य का मूल्यांकन कीजिए।

2 तत्कालीन मध्यवर्गीय जीवन के व्यापक चित्रांकन की दृष्टि से 'गबन' उपन्यास की समीक्षा कीजिए। 6

अथवा

महाकाव्यात्मक उपन्यासो की परिकल्पना का परिचय देते हुए इस सन्दर्भ में 'झूठा सच' उपन्यास की समीक्षा कीजिये।

अथवा

'गबन' में प्रेमचन्द ने शिल्प की जिन प्रविधियों का प्रयोग किया है, उनका विस्तार से वर्णन कीजिए।

3 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' के प्रतिपाद्य तथा ि"ाल्प संरचना का सविस्तार वर्णन कीजिए। 6

अथवा

स्वातंत्र्योत्तर भारत के यथार्थवादी चित्रण की दृष्टि से 'राग दरबारी' की समीक्षा कीजिये।

अथवा

दे"ा–विभाजन की त्रासदी पर आधारित उपन्यास के रूप में 'झूठासच' का मूल्यांकन कीजिए।

Section – B

खण्ड–ब

अधिकतम अंक : 12 Maximum Marks: 12

नोटः लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 भाब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. यथार्थवाद और आद"ावाद के सम्बन्ध में प्रेमचन्द के विचारों का परिचय दीजिये। 2

अथवा

उपन्यास विधा के सम्बन्ध मं प्रेमचन्द के विचारों का परिचय दीजिये।

अथवा

'सेवा सदन' के आधार पर वेश्या–समस्या के सम्बन्ध में प्रेमचंद की दृष्टि को स्पष्ट कीजिए।

5. देशकाल और वातावरण–चित्रण की दृष्टि से 'जिन्दगीनामा' उपन्यास की समीक्षा कीजिये। 2

अथवा

देशकाल और वातावरण–चित्रण की दृष्टि से 'प्रेमाश्रम' की समीक्षा कीजिये।

अथवा

'प्रेमाश्रम' की भाषा पर एक समीक्षात्मक लेख लिखिए।

6. 'झूठा–सच' के औपन्यासिक शिल्प पर विचार कीजिये। 2

अथवा

'सेवासदन' के औपन्यासिक शिल्प पर विचार कीजिये।

अथवा

उपन्यासकार के रूप में कृष्णा सोबती की प्रमुख विशेषताएँ रेखांकित कीजिए।

7. 'रंगभूमि' उपन्यास के पात्र सूरदास का चारित्रिक वैि"ाष्ट्य बताइए। 2

अथवा

स्त्री–पुरुष संबंधों के चित्रण की दृष्टि से 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' का वैशिष्ट्य बताइये।

अथवा

'सूरज का सातवाँ घोडा' के भाषिक शिल्प की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

8. युगीन यथार्थ के चित्रण की दृष्टि से 'रागदरबारी' की समीक्षा कीजिए। 2

अथवा

'जिन्दगीनामा' की अन्तर्वस्तु का परिचय दीजिये।

अथवा

'सेवासदन' उपन्यास के भाषागत वैि"ाष्ट्य को उदघाटित कीजिए।

9. 'प्रेमाश्रम' उपन्यास की अन्तर्वस्तु का परिचय दीजिये। 2

अथवा

'प्रेमाश्रम' उपन्यास के आधार पर ज्ञानशंकर की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिये।

अथवा

'राग दरबारी' में चित्रित यथार्थ में व्यंग्य शैली के योगदान पर विचार कीजिए।